SMT. KIRAN NADAR

Smt. Kiran Nadar is the Founder and Chairperson of Kiran Nadar Museum for Art, the first private museum dedicated to modern and contemporary Indian art. Located in New Delhi, KNMA operates as a non-commercial, not-for-profit entity, aiming to illustrate the dynamic interplay between art and culture through exhibitions, publications, educational initiatives, and public programs.

2. Born on 3rd May, 1951, Smt. Nadar earned a Bachelor's degree in English Honors from Miranda House in 1970. She embarked on a career in advertising, communications, and branding, starting at MCM and later becoming a director at NIIT, contributing significantly to shape the company's brand during its early stages.

3. Under Smt. Nadar's visionary guidance, KNMA has transformed the landscape of Indian art since its inception in 2010. Functioning as a global platform for promoting Indian art, KNMA houses a diverse collection exceeding 13,000 artworks. Her leadership has not only established KNMA as a premier venue for showcasing innovative art forms but has also cultivated a museum-going culture among Indian youth through vibrant outreach endeavors.

4. Smt. Nadar's influence extends beyond India's borders, as evidenced by her collaborations with prestigious museums like Museo Nacional Centro de Arte Reina Sofia, The Metropolitan Museum of Art, Tate Modern, and Musee Guimet. She spearheaded the India Pavilion at the 2019 La Biennale in Venice, showcasing her dedication to promoting Indian art on a global stage. Additionally, the upcoming KNMA building near Delhi's airport, spanning 100,000 square meters, aims to be a cultural hub for visual arts, music, dance and theatre. Her steadfast commitment continues to shape India's art scene, cementing her as a pivotal figure in the nation's cultural landscape. Additionally, she serves as an International Council member of the Museum of Modern Art, New York (MoMA).

5. Besides art and institution-building, Smt. Nadar is a celebrated Bridge player and a driving force behind the HCL International Bridge Championship. She represented India at the 2018 Jakarta Palembang Asian Games, winning Bronze in the mixed team category. Additionally, she led the "Formidables" team to victory at the 2018 Commonwealth Nations Bridge Championships, bringing gold to India after 12 years.

6. Smt. Nadar, married to Shri Shiv Nadar, shares his commitment to philanthropy. Together, they established the Shiv Nadar Foundation, investing over US$ 1,228 million in transformative education initiatives. This includes prestigious institutions like SSN Engineering College, Shiv Nadar University, and Vidya Gyan schools, providing quality education to underprivileged students. She is also involved in initiatives like Shiksha, leveraging technology for educational empowerment.

7. Smt. Nadar's notable achievements include being honoured as a "Chevalier de la Legion d'Honneur" (Knight of the Legion of Honour) in 2023, the highest civilian honor in France. Furthermore, her accolades include being named 'Collector of the Year 2018' at the India Today Art Awards and receiving the 'Public Art of the Year' award for her exceptional work at the India Pavilion during the Venice Biennale 2019. Globally recognized as one of the 100 most influential individuals in the contemporary art world by the respected UK-based Art Review, her influence resonates on an international scale. Additionally, Forbes Asia Magazine recognized her as a 'hero of philanthropy' in 2010, underscoring her commitment to giving back to society.

श्रीमती किरन नादर

श्रीमती किरन नादर आधुनिक और समकालीन भारतीय कला के प्रति समर्पित पहले निजी संग्रहालय किरण नादर म्यूजियम फॉर आर्ट की संस्थापक और अध्यक्ष हैं। नई दिल्ली स्थित, के.एन.एम.ए. एक गैर–व्यावसायिक, गैर–लाभकारी संस्था है, जिसका लक्ष्य प्रदर्शनियों, प्रकाशनों, शैक्षिक प्रयासों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से कला और संस्कृति का बहुआयामी अंतरसंबंध परिलक्षित करना है।

2. श्रीमती नादर का जन्म 3 मई 1951 को हुआ। उन्होंने 1970 में मिरांडा हाउस से अंग्रेजी ऑनर्स में स्नातक किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एम.सी.एम. में विज्ञापन, संचार और ब्रांडिंग से की और बाद में एन.आई.आई.टी. में निदेशक बनीं। उन्होंने इस कंपनी के शुरुआती दिनों में इसके ब्रांड को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

3. श्रीमती नादर के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, के.एन.एम.ए. ने 2010 में अपनी स्थापना के बाद भारतीय कला परिदृश्य को बदल दिया है। के.एन.एम.ए. भारतीय कला को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है, और यहां 13,000 से अधिक कलाकृतियों का विविधतापूर्ण संग्रह है। उनके नेतृत्व में के.एन.एम.ए. न केवल नवीन कला रूपों के प्रदर्शन का एक प्रमुख स्थल बन गया है, बल्कि उनके सशक्त संपर्क प्रयासों से भारतीय युवाओं में संग्रहालयों के भ्रमण की रुचि भी विकसित हुई है।

4. श्रीमती नादर का प्रभाव भारत के बाहर भी है, जैसा कि म्यूजियो नैशनल सेंट्रो डी आर्टे रीना सोफिया, द मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट, टेट मॉडर्न और म्यूसी गुइमेट जैसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों के साथ उनके सहयोग से पता चलता है। उन्होंने 2019 में वेनिस में ला बिएनेल में इंडिया पवेलियन का नेतृत्व किया, जहां वैश्विक मंच पर भारतीय कला को बढ़ावा देने के प्रति उनका समर्पण दिखा। इसके अलावा, दिल्ली में विमान पत्तन के पास 100,000 वर्ग मीटर में बन रहे के.एन.एम.ए. के नए भवन का लक्ष्य दृश्य कला, संगीत, नृत्य और थिएटर के लिए एक सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना करना है। उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता भारतीय कला परिदृश्य को आकार दे रही है और वह देश के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक शख्सीयत के रूप में उभरी है, इसके अतिरिक्त, वह म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट, न्यूयॉर्क (एम.ओ.एम.ए.) की अंतरराष्ट्रीय परिषद सदस्य भी हैं।

5. कला और संस्थान–निर्माण की उपलब्धियों के अलावा, श्रीमती नादर एक प्रसिद्ध ब्रिज खिलाड़ी भी हैं और एचसीएल इंटरनेशनल ब्रिज चैंपियनशिप की प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता पालेमबांग एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा, उन्होंने 2018 में, राष्ट्रमंडल ब्रिज चैंपियनशिप में विजयी "फॉर्मिडेबल्स" टीम का नेतृत्व किया, और 12 वर्ष बाद भारत को स्वर्ण पदक दिलाया।

6. श्रीमती नादर ने अपनी तरह परोपकारी श्री शिव नादर से विवाह किया है। उन्होंने साथ मिलकर शिव नादर फाउंडेशन की स्थापना की है और परिवर्तनकारी शिक्षा पहल में 1,228 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इसमें एस.एस.एन. इंजीनियरिंग कॉलेज, शिव नादर विश्वविद्यालय और विद्याज्ञान स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं, जो वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। वह 'शिक्षा' जैसी पहल भी कर रही हैं, जो शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की एक पहल है।

7. श्रीमती नादर की उपलब्धियां बहुविध हैं, जिनमें 2023 में फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "शेवेलियर डे ला लीजन डी'ऑनर " (नाइट ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर) से सम्मानित किया जाना शामिल है। इसके अलावा, उन्हें इंडिया टुडे आर्ट अवार्ड्स में 'कलेक्टर ऑफ द ईयर 2018' के लिए नामित किया गया था और वेनिस बिएननेल 2019 में इंडिया पवेलियन में उनके असाधारण काम के लिए 'पब्लिक आर्ट ऑफ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किया गया था। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित 'आर्टरिव्यू' ने उन्हें समकालीन कला जगत के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में शुमार किया है। उनका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसके अतिरिक्त, फोर्ब्स एशिया पत्रिका ने समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, उन्हें 2010 में 'परोपकारी नायक' कहा।